

खबरें फटाफट
छह को जीवितुनिका
द्रव मनाने का
लिया गया निर्णय

बवसर। जीवितुनिका द्रव को लकर रविवार को बड़का सिंहनपुरा में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें तिथि को लेकर उत्तरन उडायें की रियति पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता आचार बिमलेयर ओझा ने की। इस दौरान विद्वानों ने कहा कि कुछ दिवान छह अक्टूबर तो कुछ सात अक्टूबर को जीवितुनिका द्रव करने की बात कह रहे हैं। जिससे तोगे के मन में दुश्मिता बढ़ गई है। जिसमें पं. लक्ष्मण दिवेदी लहरी जी, पं. जिंदें ओझा, पं. संजय ओझा, पं. राधेश ओझा, पं. संजय ओझा, पं. राधेश ओझा और दूरभास से पं. अंजीत जी जुड़े थे। इस दौरान ग्रही और नक्षत्रों की बाल पर भी चर्चा हुई। साथ ही, क्षेत्र के 35 गांवों के विद्वानों को बुलाया गया था। जिसमें सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि जीवितुनिका द्रव छह अक्टूबर को मनाया जाएगा और पारंपरा सत अक्टूबर सुबह 10:20 के बाद करना है।

सिपाही भर्भी परीक्षा से पांच निष्कासित

बवसर। केन्द्रीय चयन पर्व द्वारा आठू रिपाही भर्भी परीक्षा रिवावर को बवसर तथा दुमरांव में शान्तिरूप माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के फल संचालन तथा कदावारमुक्त परीक्षा करने के लिए जिला प्रशासन पूरे दिन मुश्तेद रहा। डीएम अंशुल अम्बावाल तथा एसामी मीषी कुमार के नेतृत्व में प्रशासन व पुलिस के अधिकारी पूरे दिन विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निर्वाचन अक्टूबर माह के अंत केन्द्रीय कांकों को केन्द्रीय चयन पर्व द्वारा जारी किया गया गाड़ लाइन का पालन करने का निर्वाचन भी दे रहे थे। बवसर में दुर्सी पाली में कदावार के अरोपण में पांच परीक्षार्थियों को निष्कासित किया गया है। जिस नियंत्रण कांक के अनुसार बवसर और नक्षत्रों की बाल पर भी चर्चा हुई।

द्यूटी पर जा रहा होमगार्ड जवान घायल

बवसर। रविवार को शहर में केन्द्रीय चयन पर्व द्वारा सिपाही भर्भी की लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान द्यूटी पर जा रहे एक होमगार्ड जवान को पिकअप से चोट लगने से जख्मी हो गया। जख्मी जवान को अन्य साथियों द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जवान को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जख्मी जवान सिमीरी थाना क्षेत्र के दुल्लहपुर गांव के रसेनगाले भगवान साह की द्युती रिपाही भर्भी परीक्षा में लगी थी। वह अपेक्षायिकों के साथ कार्यालय से पिकअप पर सवार होकर द्यूटी स्थल पर जा रहा था। तीव्र बाजार समिति रोड रिस्त रस्ते के पास पिकअप को बैक करने के दैरान चोट लग गई। जवान को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां विकितस्कों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

पेपरलेस होंगे सभी सरकारी अस्पताल, मरीजों का ऑनलाइन बनेगा इकाई

केटी न्यूज़/बवसर



बैठक जिले के सरकारी अस्पताल होने जा रहे हैं। मसलन मरीजों को अब पर्ची कटवाने से लेकर इलाज करवाने तक न तो मशक्कत करनी पड़ेगी और न ही पेपरों का पुलिवा लेकर चलना पड़ेगा। बल्कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था अब पेपरलेस होने जा रही है। इस दौरान छह अक्टूबर तो कुछ सात अक्टूबर को जीवितुनिका द्रव करने की बात कह रहे हैं। जिससे तोगे के मन में दुश्मिता बढ़ गई है। जिसमें पं. लक्ष्मण दिवेदी लहरी जी, पं. जिंदें ओझा, पं. संजय ओझा, पं. राधेश ओझा और दूरभास से पं. अंजीत जी जुड़े थे। इस दौरान ग्रही और नक्षत्रों की बाल पर भी चर्चा हुई। साथ ही, क्षेत्र के 35 गांवों के विद्वानों को बुलाया गया था। जिसमें सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि जीवितुनिका द्रव मनाना जाएगा और पारंपरा सत अक्टूबर सुबह 10:20 के बाद करना है।

इसकी सुविधा अक्टूबर माह के अंत तक जीवितुनिका द्रव से बचना होने की उम्मीद है। लाईव कार्यक्रमों का प्रशिक्षण भी शुरू हो गया है। कर्मियों का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद अस्पताल में जांच स्पॉर्ट के लिए भी भटकना नहीं पड़ेगा। रिंजटेशन कांटर पर मरीजों को केवल टोकन किया जाएगा। जिसके बाद पर्ची के बाद अपटेंड कर दी जाएगी। जिससे तोगे के लिए लाईव टाइम होने की उम्मीद है। लाईव कार्यक्रमों का प्रशिक्षण पूर्व होने के बाद अस्पताल में जांच स्पॉर्ट के लिए भी भटकना नहीं पड़ेगा। रिंजटेशन कांटर पर मरीजों को केवल टोकन के माध्यम से कम्मी अपटेंड कर दी जाएगी। जिससे तोगे के लिए लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

भूमिका समाप्त हो जाएगी। डॉक्टर एवं टैक्सेट के माध्यम से योकन नंबर से जांच की सुविधा उत्तीर्णी विमानों से लेकर जांच करने की अनलाइन ही प्रविष्ट करेंगे। आवश्यक

जांच होने पर मरीज को केवल सैपल के लिए नियांरित केंद्र पर जाना होगा।

इलाज के बाद दवा काउंटर पर दवा की साथ ही जांच की सुविधा उत्तीर्णी विमानों से लेकर जांच करने की अनलाइन ही प्रविष्ट करेंगे।

जांच होने पर मरीज को टोकन के लिए लाईव टाइम होना मरीजों को इलाज औन लाईन मिलेगी। डॉक्टर से पूर्व नस मरीजों की बीपी, वजन जांच करने के बाद डॉक्टर के पास भेजेगी। जिसमें मरीजों की समस्या भी इंगित होगा।

वही डॉक्टर मरीज की जांच के बाद अवश्यक जांच होने पर मरीज के बाद अवश्यक जांच होने पर संविधान द्वारा फारवर्ड करेंगे। जांच टोकन के लिए लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

टोकन नंबर से ही डॉक्टर से लेकर आवश्यक विभिन्न जांच की सुविधा मरीजों को आन लाईन मिलेगी। इसके लिए लाईव टाइम के शुरू होने के साथ मरीजों को इलाज औन लाईन मिलेगी। डॉक्टर से पूर्व नस मरीजों की बीपी, वजन जांच करने के बाद डॉक्टर के पास भेजेगी। जिसमें मरीजों की समस्या भी इंगित होगा।

वही डॉक्टर मरीज की जांच के बाद अवश्यक जांच होने पर मरीज के बाद अवश्यक जांच होने पर संविधान द्वारा फारवर्ड करेंगे। जांच टोकन के लिए लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

टोकन : रिंजटेशन कांटर पर मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के लिए होगा।

लाईव टाइम होना मरीजों को टोकन के लिए लाईव टाइम मिलेगा। जो मरीजों के

लिए लाईव टाइम के

